PANDIT RAM KUMAR MALLICK

Pandit Ram Kumar Mallick is an artist from one of the oldest tradition of Musicians since 500 years, the Dhrupad tradition of Darbhanga.

2. Born on 10th February, 1957, Pandit Mallick belongs to the illustrious musical family of Darbhanga Gharana (Mallick Gharana) and represents the I2th generation of this musical lineage. His training in Dhrupad Music started at an early age under the guidance of his father Late Pandit Vidur Mallick and grandfather Late Pt. Sukhdev Mallick, the renowned Dhrupad vocalists. His recital is marked for the unique, rich repertory of compositions, the use of Gaurharwani & Khandarwani besides variety of Layakaries & Tihayees. He has mastered not only Dhrupad Music but also Khyal, Thumri, Dadra,Vidyapti Geet as well as Bhajan.

3. Pandit Mallick founded an organization in the name of his father and Guru, so that the Dhrupad Music can be preserved and this genre can be propagated. To make the new generation aware of Dhrupad Music, a grand music festival is also been organized in Darbhanga (Bihar) every year. Apart from this, free Dhrupad training is also being provided by Pt. Ram Kumar Mallick in Pandit Vidur Mallick Dhrupad Sangeet Gurukul", Darbhanga (Bihar).

4. Pandit Mallick is a regular broadcaster of All India Radio and Television, and is a well known 'A' Grade Artist of AIR & TV in Dhrupad. He is an empanelled artist with Indian Council for Cultural Relations (ICCR). His music has been released on the CDs like The Fast Side of Dhrupad Museum Collection released in Germany; Darbhanga Dhrupad Collection released in Berlin (Germany); Dhrupad of Darbhanga released in Berlin (Germany) and The Kalawant of Darbhanga Tradition by Bihaan Music, Kolkata. He has participated in many prestigious Music Festivals in India and abroad like Berlin, Amsterdam, Paris, Geneva, London, Netherlands, University Music concert Cambridge (England). Nehru Center Concert London (U K), New Jazz Festival Moers (Germany), BBC Promos Concert Royal Albert Hall, London (U.K), Palazzo Anmonici concert Loco (Switzerland), France, America. I.C.C.R Programme-Bonn (Germany). Darbar Music Festival. London (UK), and many others. Outside India his concerts have been recorded by Radio Bremen (BR), Radio Frankfurt (HR), Radio Belgium (BRJ), BBC London.

5. Pandit Mallick is the recipient of numerous awards and honours. In the year 1985 he stood first at the National Youth Festival and was awarded by the then President of India Shri Gyani Zail Singh. He was awarded by the Vidyapati Seva Sansthan, Darbhanga with title of "Mithila Ratna" in International Maithili Sammelan. New Delhi. He was selected as a "Dhrupad Guru" by Eastern Zonal Cultural Centre (EZCC), Kolkata. He was also been awarded "Swati Tirunal Puraskar *in* the 39th Akhil Bhartiya Dhrupad Mela Varanasi (2014), "Sadhna Samman by Youth, Art & Culture Department Patna (Bihar), "Pt Siyaram Tiwari Varishta Kalakar Award" in 2017.

पंडित राम कुमार मल्लिक

पंडित राम कुमार मल्लिक 500 वर्षों से चली आ रही दरभंगा की ध्रुपद परंपरा के सबसे पुराने संगीतकारों में से एक कलाकार हैं।

2. 10 फरवरी, 1957 को जन्मे, पंडित मल्लिक दरभंगा घराने (मलिक घराना) के विख्यात संगीत परिवार से हैं और इस संगीत वंश की बारहवीं पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं। ध्रुपद संगीत में उनका प्रशिक्षण बहुत छोटी सी उम्र में उनके पिता स्वर्गीय पंडित विदुर मलिक और दादा प्रसिद्ध ध्रुपद गायक, स्वर्गीय पंडित सुखदेव मलिक के मार्गदर्शन में शुरू हुआ। उनका गायन अद्वितीय,रचनाओं का समृद्ध भंडार है और इसे लयकारियों एवं तिहाइयों की विविधता के अतिरिक्त गौरहरवाणी तथा खंडारवाणी के लिए जाना जाता है। उन्हें ध्रुपद संगीत ही नहीं बल्कि ख्याल, ठुमरी, दादरा, विद्यापति गीत के साथ – साथ भजन में भी महारत हासिल है।

3. पंडित मल्लिक ने अपने पिता और गुरु के नाम पर एक संगठन की स्थापना की, ताकि ध्रुपद संगीत को संरक्षित किया जा सके और इस शैली का प्रचार–प्रसार हो सके। ध्रुपद संगीत से नई पीढ़ी को अवगत कराने के लिए दरभंगा (बिहार) में प्रत्येक वर्ष एक भव्य संगीत समारोह का भी आयोजन किया जाता है। इसके अलावा, पंडित राम कुमार मलिक द्वारा पंडित विदुर मलिक ध्रुपद संगीत गुरुकुल, दरभंगा (बिहार) में निःशुल्क ध्रुपद प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है।

4. पंडित मल्लिक, ऑल इंडिया रेडियो (आकाशवाणी) और दूरदर्शन के नियमित प्रसारणकर्ता हैं और ध्रुपद में आकाशवाणी और टीवी के एक प्रसिद्ध 'ए' ग्रेड कलाकार हैं। वह भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) से जुड़े एक सूचीबद्ध कलाकार हैं। उनका संगीत सीडी पर रिलीज़ किया गया है जैसे जर्मनी में जारी फास्ट साइड ऑफ ध्रुपद म्यूजिक कलेक्शन; बर्लिन (जर्मनी) में जारी दरभंगा ध्रुपद कलेक्शन; बर्लिन (जर्मनी) में रिलीज़ ध्रुपद ऑफ दरभंगा और बिहान म्यूज़िक, कोलकाता द्वारा कलावंत ऑफ दरभंगा ट्रेडिशन। उन्होंने भारत और विदेशों अर्थात बर्लिन, एम्स्टर्डम, पेरिस, जेनेवा, लंदन, नीदरलैंड, यूनिवर्सिटी म्यूजिक कॉन्सर्ट कैम्ब्रिज (इंग्लैंड), नेहरू सेंटर कॉन्सर्ट लंदन (यूके), न्यू जैज फेस्टिवल मोर्स (जर्मनी) बीबीसी प्रोमोस कॉन्सर्ट रॉयल अल्बर्ट हॉल लंदन (यूके), पलाज्जो अनमोनिकी कॉन्सर्ट लोको (स्विट्जरलैंड), फ्रांस, अमेरिका, आईसीसीआर प्रोग्राम– बॉन (जर्मनी), दरबार म्यूजिक फेस्टिवल लंदन (यूके) और ऐसे कई अन्य प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में भाग लिया है। भारत के बाहर उनके संगीत कार्यक्रमों को रेडियो ब्रेमेन (बीआर), रेडियो फ्रैंकफर्ट (एचआर), रेडियो बेल्जियम (बीआरजे), बीबीसी लंदन द्वारा रिकॉर्ड किया गया है।

5. पंडित मल्लिक को कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं। वर्ष 1985 में वह राष्ट्रीय युवा उत्सव में प्रथम स्थान पर रहे और उन्हें भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री ज्ञानी जैल सिंह द्वारा सम्मानित किया गया। उन्हें अंतर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन, नई दिल्ली में विद्यापति सेवा संस्थान, दरभंगा द्वारा "मिथिला रत्न" की उपाधि से सम्मानित किया गया था। उन्हें पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र (ईजेडसीसी), कोलकाता द्वारा "ध्रुपद गुरु" चुना गया था। उन्हें "39वें अखिल भारतीय ध्रुपद मेला वाराणसी (2014) में "स्वाति तिरुनल पुरस्कार", "युवा, कला एवं संस्कृति विभाग,पटना (बिहार) द्वारा साधना सम्मान, वर्ष 2017 में "पंडित सियाराम तिवारी वरिष्ठ कलाकार पुरस्कार" से भी सम्मानित किया गया था।